19E
80-20

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत पारंगत (एम्.ए.) बहिःस्थ

परीक्षा: जानेवारी – २०२३

सत्र २ रे

विषय: मीमांसा–शाबरभाष्य (19E3203)

दिनांक: १६/०१/२०२३ **गुण : ८०** **वेळ : दु. २.०० ते ५.००**

सूचना: १) उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात. २) सर्व प्रश्न सोडवणे अनिवार्य.

प्र.१. चतुर्णां श्लोकानाम् अनुवादं लिखत। **(२४)**

१. तस्मिन् हि सति सा अवकल्पते।
२. प्रयोगस्य परम्।
३. नादस्यैव वृद्धिः न शब्दस्य।
४. आदित्यं पश्य देवानां प्रिय।
५. रूपात् प्रायात्।
६. वायुर्वै क्षेपिष्ठा देवता।

प्र.२. द्वौ प्रश्नौ सविस्तरम् उत्तरत। **(३२)**

१. धर्मजिज्ञासाधिकरणं सविस्तरं सुस्पष्टयत।
२. शब्दनित्यताधिकरणम् इत्यस्य पूर्वपक्षं स्पष्टीकुरुत।
३. कुमारिलभट्टस्य कालं कार्यम् ऐतिह्यम् अधिकृत्य निबन्धो लेख्यः।

प्र.३. टिप्पणीचतुष्टयं लिखत। **(२४)**

१. मुरारिः
२. द्वादशलक्षणी
३. धर्मशब्दस्य व्याख्याः
४. मीमांसाशास्त्रस्य प्रवक्तारः
५. अर्थापत्तिः
६. जैमिनिः।